



आज का तापमान

धिमता 19.2 व्ह्यू 27.3 अधि

धर्मशाला 23.9 व्ह्यू 35.9 अधि

बाजार

टेक्स्टेस 74005.94

निपटी 22502.00

रोना 73,400

चांदी 96,500



आरएनआई नं. HPHIN01099

कांगड़ा | मंगलवार, 21 मई, 2024 | 8 ज्योति, विक्रमी संवत् 2081 | वर्ष 1, अंक 153, कुल पृष्ठ 14 | गूल्य : 5 रुपए

follow us on: f g p w 8894521702

अनंत ज्ञान

लोकसभा सभा पर

अपील: हमारा एक वोट, भादत भारत विधाता का साक्षी



क्षणलिफायर-1



संसद: शत 7:30 बजे (अनंतवार)

न्यूज शॉट्स

सीएम ममता बनर्जी को लीगल नोटिस

क्लाकता। पश्चिम बंगाल की

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आरिकर

भारत सेवाभ्रम

सभा के अंतर्यामी

कार्तिक महात्मा

ने अपने खिलाफ

आपीलिंगक

टिप्पणी को लेकर

जरिये भेजे गए नोटिस में कार्तिक

महाराज के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को

चार दिन के लिए भारत मारी

मार्ग ले रखा है।

ऐसा वही करते पर उनके

खिलाफ मानवानंद के मामला दर्ज करने

की घोटाली की है।

तीन नए आपराधिक

कानूनों वाली याचिका रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की जरिया

देखा एम डिल्ली की अध्यक्षता वाली

वेकेश बंधू द्वारा लागू की गयी

पर सुनाइ दी गयी है। जबकि यह

कानून एक जुलाई से लागू होने वाले हैं।

यह याचिका वेकेश विवाहित रिपोर्टरों ने

दाव की थी। कोर्ट ने कहा कि यह

याचिका कानून लागू होने के पहले ही

दरियल कर दी गई है, जबकि यह

कानून एक जुलाई से लागू होने वाले हैं।

अहमदाबाद एयरपोर्ट

से चार आतंकी अटेस्ट

अहमदाबाद। गुजरात एयरपोर्ट से

अहमदाबाद एयरपोर्ट से आईएसआईएस

के चार आतंकी श्रीनगर के गिरफ्तार

की जरूरत आयी। यह एयरपोर्ट

पर उत्तराखण्ड से इनकार कर दिया है।

यह याचिका वेकेश विवाहित रिपोर्टरों

ने अंतिम रिपोर्टरों के लिए अपनी

जिम्मेदारी दी दी है। अंतिम रिपोर्टरों

ने अपनी जिम्मेदारी दी दी है।

इन इनकारों के लिए दूर ऑपरेटरों

के लिए भी एडवाइजरी जारी करने के लिए

निर्णयित किया।

ईडी ने केंजरीवाल की न्यायिक

हिरासत 14 दिनों की मांगी

नई दिल्ली। ईडी ने दिल्ली के राज्य

परिवेश कोर्ट में याचिका दावर कर दिल्ली

के मुख्यमंत्री अर्द्धेश के लिए

केंद्रीय विवाहित रिपोर्टरों के 2

जुलाई से रिरेंडर के बारे 14 दिनों की

याचिका हिरासत की मांग की है। ईडी ने

यह याचिका रिपोर्टरों की कानूनी

की कोर्ट में दरियल की है। अर्द्धेश

केंजरीवाल एक जुलाई तक अंतिम जिम्मेदारी

पर हिरासत पर हिरासत करने के लिए

दिल्ली के लिए दूर ऑपरेटरों

के लिए भी एडवाइजरी जारी करने के लिए

निर्णयित किया।

गार्थायाम याचिका : 31 मई तक

ऑफलाइन पंजीकरण बंद

देखा दूर। मुख्यमंत्री पुकार सिंह धारी ने

सोमवार को संविधानसभा में याचिका याचिका

व्यापक रूप से प्रेषित की गयी।

अपनी अपाराधिक

कानूनों वाली याचिका रद्द

नई दिल्ली।

अब तो सम्पर्क में हो,

चुनाव बाद आरट ऑफ

रेंज चले जाओगे।

नेताओं का जनसंपर्क और

रैलियों का दौर जारी

प्रिय पाठकों के लिए

वोट के लिए आपके मन की बात



अपने मताधिकार का प्रयोग करते समय चुने जाने वाले चुम्हाई दूर होंगे? इस विषय पर अपने विचार अधिकारम 50 शब्दों में लिखकर फेटो सहित 'अंकेत ज्ञान' को भेजो। चयन के बाब आपके विचार प्रकाशित किए जाएंगे। ध्यान, आपने कांगड़ा और बकराराम का उद्योगसंगीयों सहित अन्य मतदाता दिया जाएगा।

लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव की गहराई ही चुनू है। लोकतंत्र के इस महापूर्व में पहली जुलू दिन विधायक होने वाली है। युवा, महिलाएं, व्यापारी, पैदेश, नौकराणी, मजदूर और उद्योगसंगीयों सहित अन्य मतदाता दिया जाएगा।

आप अपनी राय हमें ई-मेल : editoranantgyaan@gmail.com पर भेज सकते हैं।

यदि आप व्यक्तिगत रूप से अपने विचार देना चाहते हैं तो कांगड़ाप्रै

वेब: 8894521702 पर भी भेज सकते हैं।

चुनावी टक्की

छोटी सी तो बात थी

लाल झड़े नहीं बोले काले झड़े थे। अकसर फैन के दिलों में राज करने वाले कलाकारों को लाल झड़े दिखाएं। जाते हैं, लेकिन यहाँ काले झड़े दिखाकर इतिहास लिखा गया है? जिनकी एक झलक पाने के लिए लोग बेताब रहते हैं, उनको काले झड़े करों दिखा होंगे? कहीं लोगों को गलती तो नहीं लग गई कि यह चुनाव में धोखा हुआ है। अब ऐसा होता है कि नों बैक के नारे बोले तो लाल गए होंगे? अब गों बैक के लिए ही कहा गया है कि यह किसी दूसरे के लिए, लेकिन अंकन-फैनों न जाने क्या चुनाव गया। उससे तो बुझ गड़बड़ नजर आ रही है। नई-नई सियासत सीखने वाले किसी नों से भी गलती हो सकती है। डायलाग जो निखार गया है, कलाकारों तो उनको भी बड़बड़ बोला है, उसमें उसका चुनाव कसूर हो सकता है। डायलाग पढ़ने में उनसे गलती पाय गलती हो रही हो, लेकिन हिमाचल के लोग तो शाली हैं। अब शाली लोग अचाक करों दिन भड़क गए कि एक अपार्टमेंट की स्टार प्रचारक के लिए यों बैक के नारे लग गए। उससे अनुराग लालाया जा सकता है कि किसी न कहीं गड़बड़ तो जस्ता हुई है। शाली लोगों के दिल में ऐसी कथा चुनून हो गई कि उसका नुकसान एक सबसे बड़े दल को ऊपर पड़ रहा है। हिमाचल के लोगों के दिल में राज करने वालों की कुछ अलग ही फैलाने दी गयी। लोगों ने किसी के प्रति अथवा प्रेम और धूम दिखाने के अलान-अलान तरीके हैं। गैरेंजी ताज कहना है कि अब हिमाचल में काले झड़े दिखाएं जो मालब बड़े लोगों की भी समझ आ गया होगा। यह किसी दिखाएं गए हो बताने वाले नहीं हैं। हामी प्रेस में जिस नेता को काले झड़े दिखाएं गए, उनको इससे कोई फर्क पड़ने वाला भी नहीं है। उन्होंने अपने भाषणों में इतिहास को भी बदला, न जाने कैसी कैसी विवरत प्रतीक्षियाँ भी दी हैं। सुख्खांशु बटोरी और ब्रांडिंग का यहीं तो मुख्य जरिया होता है, जो चार्चित हो और लोगों के दिलों दिमाग पर छाया रहे वही हिंह है। अब कलाकार हीरों तो यह लिखने जिसको कला का अलान-अलान तरीका है। लोगों ने किसी के लिए यह कहा है कि अब हिमाचल में काले झड़े दिखाएं जो मालब बड़े लोगों की भी समझ आ गया होगा। यह किसी दिखाएं गए हो बताने वाली नहीं है। लेकिन डायलाग नहीं है। जो चार्चित हो और लोगों के दिलों दिमाग पर छाया रहे वही हिंह है। अब कलाकार का अलान-अलान तरीका है। कलाकार के प्रयास तो कम नहीं है, लेकिन निदेशक महोदय जरूर पिल गए हैं। -राजेश शर्मा

अपने बुने जाल में फंसे नेता

विपक्ष के एक प्रमुख नेता जी अपने ही बुने हुए जाल में फंस चुके हैं। इन्हें लोगों के लिए चक्रवृत्त रुचा था, लेकिन लालाया में खुब अंक गए हैं। विधायियों ने ऐसी रुचा रखी है कि उनें जानी एक अपार्टमेंट को किसी निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी पार्टी प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने के लिए ऐसी ताकत भी मिल पड़ रही है। जीते वाले यह भी नहीं हैं और न उन्होंने किसी निम्नलिखित का अलान है।

नहीं निकल पा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके समने अब अपनी

मृत्यु को देख सिद्धार्थ के मन में उत्पन्न हुआ वैराग्य

भगवान बुद्ध को भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। भगवान बुद्ध, बौद्ध धर्म के संस्थापक रहे। बुद्ध पूर्णिमा को बौद्ध धर्म के अनुयायियों के अतिरिक्त हिंदू धर्म के मानने वाले भी बौद्ध उत्साह के साथ मनाते हैं। ऐसे में वैशाख माह की पूर्णिमा बौद्ध धर्मियों और हिंदुओं के लिए सबसे पवित्र एवं विशेष पर्व होता है। गौतम बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व का माना गया है। बुद्ध जो सिद्धार्थ थे और एक अमण्ड थे जिनको शिक्षाओं पर बौद्ध धर्म का प्रचलन है। बुद्ध का जन्म लुबिनी में इक्ष्वाकु वंशीय शक्रिय कुल के राजा शुद्धोधन के घर में हुआ है। इनकी माता का नाम शुद्धोधन था। बुद्ध के जन्म के सातवें दिन बाद इनकी माता का निधन हो जाता है, इसके पश्चात इनका

लालन पालन महाप्राप्ती गौतमी ने किया। बुद्ध के जन्म का नाम सिद्धार्थ था, लेकिन बुद्ध कहलाए। अपनी अथक साधना के पश्चात बोध गया।

बोधि वृक्ष के नीचे हुई ज्ञान की प्राप्ति, तप कर कहलाए भगवान बुद्ध

बिहार में बोधि वृक्ष के नीचे बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई, तब से यह सिद्धार्थ गौतम से भगवान बुद्ध कहलाए। गौतम गोत्र में जन्म लेने के कारण इन्हें गौतमी भी कहा गया। कहा जाता है की सिद्धार्थ के जन्म समय एक ऋषि ने यह भिव्यवाणी की थी कि या तो यह बालक महान राजा बनेगा या फिर एक महान तपसी जो विश्व का कल्याण करने वाला और मार्दार्थक होगा। तब राजा शुद्धोधन बहुत

चिरित हुए और उन्होंने सिद्धार्थ को राज भवन की सीमा के भीतर ही रखने का निर्णय किया। सिद्धार्थ का विवाह यशोधरा के साथ हुआ। पिता शुद्धोधन द्वारा सिद्धार्थ का सभी प्रकार को सुख सुविधाएं प्रदान की गई थी। उन्हें जीवन में किसी भी दुख का सामना न करना पड़े ऐसी कोई भी स्थिति इनके समक्ष कभी भी घटित न हो पाए, इस बात का पूर्ण ध्यान रखा जाता था। वैभवशली और समस्त भोगों से युक्त महल में सिद्धार्थ अपनी पत्नी यशोधरा के साथ रहे, जहाँ उन्हें पुत्र संतान की प्राप्ति हुई जिसका नाम राहुल रखा गया। इन सभी चीजों के बालजूद भी सिद्धार्थ के मन में सौंदर्य एक अस्थिरता भौजूद रहती थी। उनमें करुणा और दया की अनुभूति बहुत गहन थी। वह सभी पर एक प्रकार का भाव रखते थे। जीवन और उसके अस्तित्व के प्रति उनके मन में हमेशा ही चिंतन चलता रहता था। एक दिन सिद्धार्थ ने एक बुद्ध और नगर में एक व्यक्ति की मौत को देखा तो उनके मन में वैराग्य उत्पन्न हो गया और वह अपनी पत्नी यशोधरा और छोटे बच्चे राहुल को छोड़ कर ज्ञान प्राप्ति के लिए निकल पड़े और अंत में बुद्ध भगवान बन गए।

श्री बुद्ध जयंती 23 मई



श्री छिन्मस्तिका जयंती कल

मां ने अपना मस्तक काटकर बुझाई सहचरियों की घ्यास



भारतवर्ष में छिन्मस्तिका जयंती 22 मई को मनाई जाएगी। छिन्मस्तिका देवी को मां चिंतपूर्णी के नाम से भी जाना जाता है। देवी ने चंडी का रूप धारण कर दैत्यों को परास्त करके देवों को विजय दिलाई। युद्ध में देवी की सहायक योगिनियों अजया और विजया की स्विभिर पिपासा शांत नहीं हो पाए, तो मां ने अपना मस्तक काटकर अपने रक्त से उनकी रक्त यास बुझाई, जिस कारण माता को छिन्मस्तिका नाम से भी पुकारा जाने लगा। जहाँ देवी छिन्मस्तिका का निवास होता है, वहाँ पर चारों ओर भगवान शिव का स्थान होता है। मान्यता है कि छिन्मस्तिका भगवती भवानी अपनी दो सहचरियों के संग मदाकिनी नदी में स्थान कर रही थी। इस दौरान दोनों सहचरियों को बहुत तेज भूख लगा। भूख की पीड़ा से उक्ता रांग काला हो गया, तब सहचरियों ने भोजन के लिए भवानी से कुछ मांगा। भवानी के कुछ देर प्रतीक्षा करने के लिए कहा। तपश्चात सहचरियों ने नम्रतापूर्वक अनुरोध किया कि मां तो भूखे शिशु को अविलंब भोजन प्रदान करती है ऐसा सुनते ही भवानी ने अपने खड़ा से अपना ही सिर काट दिया। कटा सिर उनके बाएं हाथ में आ गिरा और तीन रक्तधाराएं बह निकली। दो धाराओं को उहाँने सहचरियों की ओर प्रवाहित कर दिया, जिन्हें पाकर दोनों तुक हो गईं। तीसरी धारा जो ऊपर की प्रवाहित हो रही थी, उसे देवी स्वयं पान करने लगी। तभी से वह छिन्मस्तिका का नाम से विख्यात हुई है।

आज श्रीनृसिंह जयंती पर विशेष

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को श्रीनृसिंह जयंती मनाई जाती है। इस बार यह जयंती 21 मई को है। पौराणिक कथा अनुसार भगवान विष्णु ने नृसिंह अवतार लेकर दैत्यों के राजा हिरण्यकशिष्य का वध किया था। इस दिन ब्रह्म कक्षे की श्रीनृसिंह की मर्दिंर में पूजा की जाती है। भक्त प्रह्लाद की रक्षा करने के लिए भगवान विष्णु ने नृसिंह रूप में अवतार लिया और दैत्यों का अंत कर धर्म की रक्षा की। नृसिंह अवतार में भगवान विष्णु ने आधा मनुष्य व आधा शेर का शरीर धारण करके दैत्यों के राजा हिरण्यकशिष्य का वध किया था। आदि काल में कश्यप नामक ऋषि हुए उनकी पत्नी का नाम दिति था। दिति के दो युत्र हुए, जिनमें से एक का नाम हरिण्यक्ष तथा दूसरे का हिरण्यकशिष्य रखा।

हिरण्यकशिष्य का भगवान श्रीविष्णु ने पृथ्वी की रक्षा के लिए वाराण रूप धरकर मार दिया। अपने भाई की मृत्यु का प्रतिशोध लेने के लिए हिरण्यकशिष्य ने सहचरों वर्षों तक कठोर तप किया, तदोपरांत ब्रह्माजी ने उसे अजेय होने का वरदान दिया।

वरदान प्राप करके उसने स्वर्ग सहित सभी लोकों पर अधिकार कर लिया।

हिरण्यकशिष्य अहंकार से युक्त प्रजा पर अत्याचार करने लगा। इसी दौरान

हिरण्यकशिष्य की पत्नी कथायु ने एक युत्र को जन्म दिया, जिसका नाम प्रह्लाद रखा गया। प्रह्लाद अपने पिता के अत्याचारों का विरोध करता था। प्रह्लाद का मन हटाने

और उसमें अपने जैसे दुर्गुण भरने के लिए हिरण्यकशिष्य ने बहुत प्रयास किए, नीति-अनीति सभी का प्रयोग किया, किंतु प्रह्लाद अपने मार्ग से विचलन न हुआ, तब उसने प्रह्लाद को पढ़ाने के पहले विद्यार्थी रखे, मार वह सभी में असफल रहा। इस बातों से क्षुब्ध हिरण्यकशिष्य ने उसे अपनी बहान होलिका की गोद में बैठाकर जिंदा ही जलाने का प्रयास किया। होलिका को वरदान था कि अग्नि उसे नहीं जला सकती परंतु, जब प्रह्लाद को होलिका की गोद में बैठा कर अग्नि में डाला गया तो उसमें होलिका को जलकर रख रहा था गई। किंतु प्रह्लाद को कुछ नहीं हुआ। इस पर प्रह्लाद से पूछा कि बता, तेरा भगवान कहां है। इस पर प्रह्लाद ने हिंनम भाव से कहा कि प्रभु तो सर्वत हैं, हर जगह व्यास हैं। क्रोधित हिरण्यकशिष्य ने कहा कि क्या तेरा भगवान इस स्वंभु में भी है। प्रह्लाद ने हां कहा, तेरा भगवान इस स्वंभु में भी है। तब हिरण्यकशिष्य ने खें पर प्रह्लाद को प्रह्लाद को अग्नि के लिए वाराण धारण किया। खें भी को चीरकर श्रीनृसिंह भगवान प्रकट हुए और हिरण्यकशिष्य की शारीरी को धूमधारा द्वारा घुला दिया। विश्व के लिए श्रीनृसिंह ने जलाने का वरदान कर लिया।



वैशाख पूर्णिमा 23 मई

वैशाख पूर्णिमा पर करें दान पुण्य मिलेगा सहस्र गोदान का फल

यदि संपूर्ण वैशाख मास के नियमानुसार दान कर पाएं, तो वैशाख पूर्णिमा के दिन पूजा उपासना एवं दान कर लेने से ही समस्त गृहों के दान करने जिनमात्रा का दान करने से चला आ रहा वैशाख स्थान एवं विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का समाप्ति के अवसर पर होता है। सभी स्थानों जो भी आध्यात्मिक स्थल हैं, वहाँ पर इस अवसर पर बहुत बड़े स्तर पर पूजा-अर्चना एवं यज्ञ-हवन किए जाते हैं और वैशाख मास की समाप्ति का विशेष पूजा होता है। स्कृंकर पूजा, भविष्य युगांश इत्यादि में वैशाख पूर्णिमा और इस विधि के बारे में भी बताया गया है। इस दिन गंगा में स्नान करने की बहुत ही महान बृहद गीर्वाणी है। इसके अलावा पवित्र धार्मिक स्थलों प्रयाग राज त्रिवेणी में स्नान करने की बात की गई है। नदी स्नान करने के पश्चात वैशाख पूर्णिमा की अर्थ्य दिवा जाता है। उसके बाद दीपक जलाए जाते हैं और दान इत्यादि का विशेष महत्व है। धर्मराज के निमित्त आज के दिन प्रसाद बांटा जाता है। ऐसा करना गोदान के समान फल देने वाला कहा गया है।

गुड़ या तिल का करें दान

वैशाखी पूर्णिमा के दिन कलश भर कर गुड़ या तिलों का दान किया जाए, तो वह दान पर्व जन्मों के पाप

न्यूज ब्रीफ

काजा घटनाक्रम को जयराम ने बताया निंदनीय



मंडी। प्रकार वार्ता में पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि काजा में जो कुछ हुआ वह घटनाक्रम बहुत ही निंदनीय है। इस मामले को उन्होंने पार्टी हाईकोर्ट मान और चुनाव आयोग के समक्ष उठाया है। उन्होंने कहा कि मामले पर दो शाम की एक लाइव डर्ज न होने अपने में ही वर्तमान सरकार पर एक सवालिया विवाद है। उन्होंने कहा कि ऐसा तात्पर्य की अधिकारियों में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों को भी अपने विकास कार्यों में सूची में शुमार कर जनता की हैं व वर्चाओं के केंद्र बोर्ड में हुए हैं। जिसका ताजा उदाहरण चंबा के एटीवाइसिक वार्षिक द्वारा यह जनबोक्सर की प्रतीक्षा गया था। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार विक्रमादित्य द्वारा भाजपा व्यक्तियां कलगान रनौत पर भी कथित व्यक्तिगत छींटा पर दिया व्यक्त की।

एस एक लाइलाज बीमारी, जागरूकता ही बचाव

चंबा। भारी रेत द्वारा बैंक के प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत यामीन रखा रोजगार प्रशिक्षण संस्थान बालू चंबा काटिंग एंड टेलर प्रशिक्षण कार्यक्रम में एस कंट्रोल सोसाइटी चंबा द्वारा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हरित पूरी ने जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें एस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हरित पूरी ने एस कंट्रोल सोसाइटी चंबा द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एचाईईएस एक लाइलाज बीमारी है तथा इसका बचाव एकमात्र जागरूकता ही है। इस शिविर में 30 यामीन रखा रोजगार प्रशिक्षण संस्थान बालू चंबा काटिंग एंड टेलर प्रशिक्षणों के अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

राष्ट्रीय डैंग दिवस पर जागरूकता शिविर आयोजित



चंबा। राष्ट्रीय एवं परिवार कल्याण विभाग चंबा द्वारा राष्ट्रीय डैंग दिवस के अंतर्गत जिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जिला चंबा में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हरित पूरी ने उपस्थित छात्रों को जागरूक किया। इस और पर भाजपा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों अंश, नीतीश चौहान, सुशील, पलवी, भरत, और अरावी को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर विधिपूर्वक आयोजन किया गया था। उन्होंने एस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हरित पूरी ने एस कंट्रोल सोसाइटी चंबा द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एचाईईएस एक लाइलाज बीमारी है तथा इसका बचाव एकमात्र जागरूकता ही है। इस शिविर में 30 यामीन रखा रोजगार प्रशिक्षण संस्थान बालू चंबा काटिंग एंड टेलर प्रशिक्षणों के अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

पंचायत उटीप में चलाया मतदाता जागरूकता अभियान



चंबा। ग्राम पंचायत उटीप की मतदाता केंद्र उटीप के गांव प्रेय, पुरखी, दुकाहर, पचाईल, भुजा, ग्राम पंचायत कुम्हाराका की मतदाता केंद्र 102 मांडू (भैरोई), ग्राम पंचायत तुझे के अंतर्गत गांव कठन्हा, भोलों, किंगू के मतदाताओं के लिए मतदाता जागरूकता, हस्ताक्षर अभियान व मतदाता शपथ का आयोजन किया गया। विधायक सभा अनुभाव चंबा के लिए लोक अपराध प्रोफेसर अधिकारी ने कहा कि आगमी एक जून को होने वाले यामीनों में मतदाता प्रतिशताता को बढ़ाने के लिए क्षेत्र का दौरा व जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।

बूंदाबांदी से चंबा में मिली गर्मी से राहत



अनंत ज्ञान, चंबा। ग्राम पंचायत उटीप की मतदाता केंद्र उटीप के गांव प्रेय, पुरखी, दुकाहर, पचाईल, भुजा, ग्राम पंचायत कुम्हाराका की मतदाता केंद्र 102 मांडू (भैरोई), ग्राम पंचायत तुझे के अंतर्गत गांव कठन्हा, भोलों, किंगू के मतदाताओं के लिए मतदाता जागरूकता, हस्ताक्षर अभियान व मतदाता शपथ का आयोजन किया गया। विधायक सभा अनुभाव चंबा के लिए लोक अपराध प्रोफेसर अधिकारी ने कहा कि आगमी एक जून को होने वाले यामीनों में मतदाता प्रतिशताता को बढ़ाने के लिए क्षेत्र का दौरा व जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।



फाइल फोटो

मौसम खुशनुमा हो गया है। योगी विभाग अनुभाव चंबा मौसम बदलने से घरों में दुबके रहने वाले लोग शहर में खरीदारी करते नजर आए। मुख्य बाजार की सड़कों पर चहल-पहल नजर आई। आइसक्रीम व शीर्षी भी अंडे की पुनरुत्थान न हो इसका विशेष ध्यान रहें।

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटाए नहीं सकते। ■ पहली का केवल एक हल है।

मौसम खुशनुमा हो गया है। इन दिनों बारिश पहाड़ी क्षेत्रों में मक्की की फसल की चिनाई के लिए बहुत ही धूमधार हो रही है। जिससे पक्षियों को पीने के पानी की समस्याएं हो सकती हैं। इससे उनकी मृत्यु तक हो जाती है।

उन्होंने सभी लोगों से अपील कि विकास केंद्रों के प्रकृति और कैरेक्टर्स के पक्षियों के प्रति लोगों को उनके कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही लोगों से आग्रह किया गया कि गर्मियों के मौसम में पक्षियों के लिए बर्तन में पानी और दाना रखें। गर्मियों के मौसम में जल स्रोत सूख जाते हैं, जिस कारण

पिकअप पलटने से एक व्यक्ति की मौत, केस दर्ज

बबलू पठानिया, चंबा

दुर्घटना के समय मौजूद राहीरीं व स्थानीय लोगों ने नरेंग कुमार को चुवाड़ी अस्पताल पहुंचाया। लेकिन वहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहाँ इस दुर्घटना में पिकअप वाहन चालक अशीष कुमार पुरु शेर सिंह को मौजूदी को लेकर दिए। उन्होंने बहाली को लेकर दिए।

उन्होंने सभी लोगों से अपील कि विकास केंद्रों के आधार पर एकल चलने योग्य मार्ग बनाने को करा। साथ ही उन्होंने स्कूल में आप जाने वाले बच्चों को किसी भी तरह की परेशानियां न हो। इस अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करने और परिवर्तन के लिए बर्तन में जल स्रोतों के प्रति लोगों को ले जाने वाले बच्चों को ले जाने वाले चाहे वहाँ वहाँ हो। इस अभियान के अधिकारियों से भी बातचीत की जाती है।

उन्होंने जिले में धूमधार होने के लिए बर्तन रखें। जिससे पक्षियों को गर्मी के कारण पानी की कमी महसूस न हो। इस अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करने और पक्षियों के प्रति हमरे दर्ज करने को करने का बड़ा

कार्यक्रम हो जाए। अगले दिन भी नहीं हो।

प्रभारी ने इस दिशा में अपील किया।

उन्होंने जिले में धूमधार होने के लिए बर्तन रखें। जिससे पक्षियों को गर्मी के कारण पानी की कमी महसूस न हो। इस अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करने और पक्षियों के प्रति हमरे दर्ज करने को करने का बड़ा

कार्यक्रम हो जाए। अगले दिन भी नहीं हो।

प्रभारी ने इस दिशा में अपील किया।

उन्होंने जिले में धूमधार होने के लिए बर्तन रखें। जिससे पक्षियों को गर्मी के कारण पानी की कमी महसूस न हो। इस अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करने और पक्षियों के प्रति हमरे दर्ज करने को करने का बड़ा

कार्यक्रम हो जाए। अगले दिन भी नहीं हो।

प्रभारी ने इस दिशा में अपील किया।

उन्होंने जिले में धूमधार होने के लिए बर्तन रखें। जिससे पक्षियों को गर्मी के कारण पानी की कमी महसूस न हो। इस अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करने और पक्षियों के प्रति हमरे दर्ज करने को करने का बड़ा

कार्यक्रम हो जाए। अगले दिन भी नहीं हो।

प्रभारी ने इस दिशा में अपील किया।

उन्होंने जिले में धूमधार होने के लिए बर्तन रखें। जिससे पक्षियों को गर्मी के कारण पानी की कमी महसूस न हो। इस अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करने और पक्षियों के प्रति हमरे दर्ज करने को करने का बड़ा

कार्यक्रम हो जाए। अगले दिन भी नहीं हो।

प्रभारी ने इस दिशा में अपील किया।

उन्होंने जिले में धूमधार होने के लिए बर्तन रखें। जिससे पक्षियों को गर्मी के कारण पानी की कमी महसूस न हो। इस अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करने और पक्षियों के प्रति हमरे दर्ज करने को करने का बड़ा

कार्यक्रम हो जाए। अगले दिन भी नहीं हो।

प्रभारी ने इस दिशा में अपील किया।

उन्होंने जिले में धूमधार होने के लिए बर्तन रखें। जिससे पक्षियों को गर्मी के कारण पानी की कमी महसूस न हो। इस अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करने और पक्षियों के प्रति हमरे दर्ज करने को करने का बड़ा

न्यूज ब्रीफ

सी-विजिल ऐप से करें चुनाव संबंधी शिकायत
 केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा आदर्श अचार सहित के उल्लंघन की शिकायत करने के लिए सी-विजिल ऐप का प्रावधान किया गया है। जिसमें कोई भी नागरिक आदर्श अचार सहित के उल्लंघन की शिकायत फोटो, विडियो व आडियो रिकॉर्ड कर भेज सकता है। किसी भी तरह के अचार सहित उल्लंघन जैसे खराब, पैसे व मुफ्त उपहारों का आवंटन, निवाचियों को दर्शने धमकाने घृणा फैलने वाले सार्वजनिक भाषण, मतदाता परिवहन, फेक न्यूज-पेड व्हूज की स्थिति में आम नागरिक सी-विजिल ऐप के प्रावधान से सचाव दे सकता है। जिसका निपटान 100 मिनट के भीतर किए जाने का प्रावधान है। नेटल अधिकारी आदर्श अचार सहित किया जाने के लिए आगे आए व लोकतंत्र को मज़बूत करने में आगे बढ़ावदार है।

पर्यटक का बैग लौटकर दिखाई ईमानदारी

मनाली। आटो चालक मंडी निवारी संजय कुमार ने पर्यटक का बैग लौटकर ईमानदारी की मौसिल पेश की है। बाराणी उत्तरप्रदेश के पर्यटक सौरव ने रोगी में आटो कियारे में लिया। पर्यटक आटो से उत्तरी बार लौटा बैग आटो में भी रहा गया। आटो चालक के बैग को यूनियन के प्रशासन गोपनीय राम के हवाले कर दिया। बैग में 4000 कैम्प सहित मोबाइल और जरूरी कागजात थे। आटो यूनियन के प्रशासन गोपनीय राम ने बताया कि आटो चालक ने सुख यह बैग कार्यालय में दिया। दोपहर बाद फैल पर घासी बीजी तो मैले फैल उठाया और पर्यटक को उत्का सामान तुरुकित होने की बात कही। शाम को पर्यटक आफिस में आया और अपना सामान बापस ले गया। पर्यटक गौरव ने चालक सहित यूनियन के प्रशासन का आगाम जाता।

छात्रों ने निकाली मतदान जागरूकता रेली



कुल्लू। जावाहर नवोदय विद्यालय बंडरोल के दसवीं कक्षों के छात्र व छात्राओं ने मतदान जागरूकता अभियान में भाग लिया। प्राचार्य राजेश कुमार शर्मा ने विद्यालय गेट से हड्डी झड़ी दिखाकर रेली को रवाना किया। इसमें 76 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जागरूकता रेली जावाहर नवोदय विद्यालय से शुरू होकर, नागा बाग सभी को रसी गांवों से गुजरते हुए बद्दल गांव पुण्यी तथा आस पास के रसी गांवों से होती हुई रसी गांव के लोगों को मतदान का महात्मा तथा मतदान में भागीदारी के लिए प्रेरित किया। सभी गांवों के लोगों को विद्यार्थियों के इस प्रयास को सहायता देना चाहिए। इस रेली में गांवों के लोगों को विद्यालय के इस प्रयास को मतदान के लिए मोबाइल टीमों में गठन कर दिया गया। इसमें 76 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

आज से 29 तक बोट डालेंगे बुजुर्ग और दिव्यांग

आटी। चुनाव आयोग के दिशा निर्देश अनुसार 21 मई मंगलवार से तेकर 29 मई तक घर दर से पोस्टल बैलेट के जरिए 85 साल से अधिक आयु के बुजुर्ग और दिव्यांग मतदान बोट डालेंगे। इसके लिए एसी मतदान केंद्रों के तहत आठे वाले उत्तर मतदान के लिए मोबाइल टीमों में गठन कर दिया गया। 29 मई तक सभी मतदान केंद्रों के तहत आठे वाले इन मतदानातों तक मोबाइल टीम मतदान को सुनिश्चित करेंगे। इस संबंध में एसीएम कार्यालय आटी में मोबाइल टीमों को दिशा निर्देश दिया गया है। एसीएम आठे वाले वर्ग में प्रयास को मतदान करें। अधिकारी निवाचन केंद्रों के लिए अलग अलग स्थिरियों में पोस्टल बैलेट के तहत मतदान होगा।

पतलीकूहल में बाढ़ जैसी स्थिति

पावर प्रोजेक्ट से पानी छोड़ने पर घपेट में आई जेसीबी भी डूबी



मोहन कपूर, पतलीकूहल

सोमवार को ब्यास नदी तथा इसके सहायक नदी नावों पर बने निजी पावर प्रोजेक्ट द्वारा अचानक कर रहे रोगों के बाद धर्मगंगा त्रिपुरा राज्य के लोगों ने विद्यार्थीयों के इस प्रयास को सहायता देना चाहिए। इस अवधि के लिए उत्तर मतदान के लिए अलग अलग स्थिरियों में पोस्टल बैलेट के तहत मतदान होगा।

एक जेरीबी भी चपेट में आ गई और नदी में डुब गई है, जबली माह में आई बाढ़ के बाद धर्मगंगा त्रिपुरा राज्य के लोगों को बाढ़ कर रहे रोगों का हिस्सा खाली करने को कह रही है, लेकिन बेतरीब बेतरीब तरीके से काम होने से अब बाढ़ का खतरा पहले से बढ़ गया है। दिलचस्प

1915 में बने निथर स्कूल से विज्ञान संकाय के बच्चों ने किया पलायन

109 वर्ष पुराने स्कूल की अनजेखी, फिजिवस, केमिस्ट्री व मैथ लेवर्पर के पद 4 सालों से खाली

अजिंतेंद्र गुरा, आनी

आनी विधानसभा क्षेत्र को 9 बार विधायक दे चुके निथर क्षेत्र में शिक्षा का सच बेहत भवाव है। निथर उपतहसील मुख्यालय में विठ्ठ 109 वर्ष पुराने शहीद डॉला राम मेमोरियल स्मारक सेंकेंडी स्कूल की आज हालत यह है कि अध्यापकों के न होने के कारण स्कूल में विज्ञान संकाय का एक भी छात्र या छात्रा मौजूद नहीं है।



आनी के निथर स्कूल का भवन।

7 बार कांग्रेस, 2 बार भाजपा का रहा यहां से विधायक

निथर आनी विधानसभा क्षेत्र की राजनीति की धूरी रही है। वहां से कांग्रेस के 7 बार विधायक रह चुके इंडियन एक्टिविस्ट वार्ड और लोगों में भी रहा गया। अब वहां से विधायक रहने की चाही गयी है। स्कूल में फिजिवस के एक भविष्य की चिंता भी सताने लगी है। फलस्वरूप क्षेत्र के बच्चों का जहां वैज्ञानिक, डॉलर या इंजीनियर बनने का इच्छा विद्यार्थीयों में दिया गया है। दोपहर बाद फैल पर घासी बीजी तो मैले फैल उठाया और पर्यटक को उत्का सामान तुरुकित होने की बात कही। शाम को पर्यटक आफिस के प्रशासन गोपनीय राम ने बताया कि आठे वाले बैग लौटकर दिखाई ईमानदारी। आठे चालक के बैग को यूनियन के प्रशासन गोपनीय राम ने बताया कि आठे चालक ने सुख यह बैग कार्यालय में दिया। दोपहर बाद फैल पर घासी बीजी तो मैले फैल उठाया और पर्यटक को उत्का सामान बापस ले गया। पर्यटक गौरव ने चालक सहित यूनियन के प्रशासन का आगम जाता।

साइंस संकाय के नाम पर केवल बायोलॉजी के लोकवरर का पद ही रहा गया। सभी पद 2020 और 2021 से रिकॉर्ड पड़े हैं। फलस्वरूप स्कूल में जमा एक कक्षा में केवल बायोलॉजी रह गए थे, जिन्होंने पास होने के बाद जमा दो में दाखिला

लेने के बायां स्कूल से पलायन कर एडमिशन लेना उचित समझा। अब दिया जबकि स्कूल में विज्ञान के लिए स्कूल में नहीं रहा तो जमा एक में कोई एडमिशन हुई है न ही स्कूल में विज्ञान संकाय का कोई विद्यार्थी रहा गया। अब वहां तक कि विभन्न-हाई स्कूलों में घासी बीजों का एक बैग लौटने के बाद जमा दो में दाखिला

लेने के बायां स्कूल से पलायन कर एडमिशन लेना उचित समझा। अब दिया जबकि स्कूल में विज्ञान के लिए स्कूल में नहीं रहा तो जमा एक में कोई एडमिशन हुई है न ही स्कूल में विज्ञान संकाय का कोई विद्यार्थी रहा गया। अब वहां तक कि विभन्न-हाई स्कूलों में घासी बीजों का एक बैग लौटने के बाद जमा दो में दाखिला

लेने के बायां स्कूल से पलायन कर एडमिशन लेना उचित समझा। अब दिया जबकि स्कूल में विज्ञान के लिए स्कूल में नहीं रहा तो जमा एक में कोई एडमिशन हुई है न ही स्कूल में विज्ञान संकाय का कोई विद्यार्थी रहा गया। अब वहां तक कि विभन्न-हाई स्कूलों में घासी बीजों का एक बैग लौटने के बाद जमा दो में दाखिला

लेने के बायां स्कूल से पलायन कर एडमिशन लेना उचित समझा। अब दिया जबकि स्कूल में विज्ञान के लिए स्कूल में नहीं रहा तो जमा एक में कोई एडमिशन हुई है न ही स्कूल में विज्ञान संकाय का कोई विद्यार्थी रहा गया। अब वहां तक कि विभन्न-हाई स्कूलों में घासी बीजों का एक बैग लौटने के बाद जमा दो में दाखिला

लेने के बायां स्कूल से पलायन कर एडमिशन लेना उचित समझा। अब दिया जबकि स्कूल में विज्ञान के लिए स्कूल में नहीं रहा तो जमा एक में कोई एडमिशन हुई है न ही स्कूल में विज्ञान संकाय का कोई विद्यार्थी रहा गया। अब वहां तक कि विभन्न-हाई स्कूलों में घासी बीजों का एक बैग लौटने के बाद जमा दो में दाखिला

लेने के बायां स्कूल से पलायन कर एडमिशन लेना उचित समझा। अब दिया जबकि स्कूल में विज्ञान के लिए स्कूल में नहीं रहा तो जमा एक में कोई एडमिशन हुई है न ही स्कूल में विज्ञान संकाय का कोई विद्यार्थी रहा गया। अब वहां तक कि विभन्न-हाई स्कूलों में घासी बीजों का एक बैग लौटने के बाद जमा दो में दाखिला

लेने के बायां स्कूल से पलायन कर एडमिशन लेना उचित समझा। अब दिया जबकि स्कूल में विज्ञान के लिए स्कूल में नहीं रहा तो जमा एक में कोई एडमिशन हुई है न ही स्कूल में विज्ञान संकाय का कोई विद्यार्थी रहा गया। अब वहां तक कि विभन्न-हाई स्कूलों में घासी बीजों का एक बैग लौटने के बाद जमा दो में दाखिला

लेने के बायां स्कूल से पलायन कर एडमिशन लेना उचित समझा। अब दिया जबकि स्कूल में विज्ञान के लिए स्कूल में नहीं रहा तो जमा एक में कोई एडमिशन

न्यूज ब्रीफ

सोलन-सिरमौर

अनंत ज्ञान

वनों में आग पर रोक एवं नियंत्रण में सहयोग करेंगे आपदा मित्र : डीसी सिरमौर में आगामी 5 दिनों तक लू चलने का अलर्ट

एडवाइजरी जारी, लू लगने पर ऐसे करें बचाव

अनंत ज्ञान ब्यूरो, सोलन/नाहन

उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि गर्मी के मौसम में जंगलों में आग लगने की घटनाओं पर रोक एवं नियंत्रण के दृष्टिगत जिला में सभी आवश्यक प्रबंधित गढ़ एवं गढ़ों हैं।

उन्होंने सभी उपर्युक्ताधिकारियों (ना.) को बन विभाग के साथ समर्थन स्थापित करते हुए इस तरह की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। मनमोहन शर्मा ने कहा कि वनों के समीप रहने वाले लोगों व जनसंघरण के सहयोग एवं जागरूकता से ऐसी घटनाओं पर प्रभावी ढंग से रोक लगायी जा सकती है। उन्होंने कहा कि वनों में लगने वाली आग पर नियंत्रण के लिए सभी उपर्युक्ताधिकारियों को आपदा मित्र नियंत्रण करने के लिए वनों से रोक लगने के लिए गश्त लगाने के लिए उत्तरदायी होंगे। उन्होंने कहा कि वह इस उत्तरदायी की सरकारी टेजी में जमा कर्या दिया है। डीएसपी पांवाला साहिब अधिकारी सिंह ने कही की बासमार्दी की पुष्टि की है।

अर्थ

ने

10वीं

में

प्राप्त

किए

94.2

फीसदी

अंक

अर्का।

अंक

उपर्युक्त

मूल्य

प्रु

पु

रु

पु

रु

न्यूज ब्रीफ

मिड-डे मील वर्करों को दो माह से नहीं मिला वेतन

मशोबरा ब्लॉक के वर्कर्स में सैलरी न मिलने से योष; मांगें पूरी करने की लगाई गुहार, आंदोलन की दी चेतावनी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मंजीत रिंग थाकुर ने विनोद सुल्तानपुरी के लिए मांगे वेट रोहदा प्रदेश कागेस कमेटी के पूर्व सचिव मंजीत रिंग थाकुर ने रविवार को ढाकगांव पंचायत के ढाक, गांव, खरोट, नाली, दिवाड़ी, मसली, दली, शलेट व जिलाता में शिक्षण संसदीय क्षेत्र से कांगेस पार्टी के प्रत्याशी विलोद सुल्तानपुरी के पक्ष में वेट मांगे। उन्होंने गांव-गांव में जाकर थुककट सभाओं में कार्यकर्ताओं के साथ जन संवाद कर उनके पक्ष में मतदान करने के लिए बुखारी सुखाविंद्र रिंग सुखद के हाथ ऊजबूत करने की गांव के लोगों से अपील की। उसके बाद उन्होंने मनटिकवरी, मसली व बिलासपुर में भी थुककट सभाएं आयोजित कर गांव के लोगों से विलोद सुल्तानपुरी के पक्ष में वेट रोहदा प्रदेश कागेस कमेटी के साथ जन संवाद कर उनके पक्ष में मतदान करने की अपील की।

